



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 157]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 9, 1984/वैशाख 19, 1906

No. 157]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 9, 1984/VAISAKHA 19, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली, 9 मई, 1984

अधिसूचना

सा. का. नि. 336(अ).—जबकि, केन्द्रीय सरकार ने, पुरावशेष तथा बहुमूल्य कलाकृति नियम 1973 का नियम 2(ख) के साथ पठित पुरावशेष और बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम, 1972 (1972 का 52) की धारा 2 की उपधारा (1) के खंड-(ख) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह अवधारणा करने के लिए कि भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उपखंड (1) में तारीख 8 नवम्बर 1982 को प्रकाशित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की सा.का.नि. सं. 664(अ.) दिनांक 8 नवम्बर 1982 की अधिसूचना (इसके उपरांत 8 नवम्बर 1982 की अधिसूचना के रूप में संदर्भित) में उल्लिखित आभूषण की मवों के रचियता जीवित है, उक्त अधिसूचना में यह अधिसूचित कराया :—

(क) यदि उनका ऐसा रचियता जीवित है, तो वह उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से दो महीने के भीतर इस तथ्य की और अपने पतों की संसूचना महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, जनपथ, नई दिल्ली-110011 को देगा।

(ख) भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उपखंड (1) दिनांक 3 नवम्बर 1983 में प्रकाशित दिनांक 3 नवम्बर 1983 की सा.का.नि. 817(असा.) संख्यक अधिसूचना (इसके उपरांत 3 नवम्बर 1983 की अधिसूचना के रूप में संदर्भित) के साथ पठित, किसी व्यक्ति को ऐसी जानकारी है कि ऐसा रचियता गत तीस वर्षों के भीतर जीवित था वह 3 नवम्बर 1983 की अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो महीने की अवधि के भीतर महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, जनपथ, नई दिल्ली-110011 को उस रचियता का नाम और उस तथ्य की कि ऐसा रचियता जीवित है और उसके पते की जानकारी देगा।

और, जब कि, तारीख 8 नवम्बर 1982 और तारीख 3 नवम्बर 1983 की अधिसूचनाएं प्रकाशित करने वाले राजपत्र क्रमशः 8 नवम्बर 1982 और 3 नवम्बर 1983 को जनता को उपलब्ध करा दिये गये थे;

और, जब कि, महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, नई दिल्ली को रचियता के जीवित होने के संबंध में ऐसी कोई सूचना नहीं मिली है।

अब, अतः, केन्द्रीय सरकार, पुरावशेष तथा बहुमूल्य कला-कृति अधिनियम, 1972 की धारा 2 की उपधारा (1) के खंड (ख) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उनके कलात्मक और सांस्कृतिक मूल्य को ध्यान में रखकर 8 नवम्बर 1982 की अधिसूचना में उल्लिखित आभूषणों की सात मदों को इसके द्वारा बहुमूल्य कलाकृति के रूप में घोषित करती है।

[सं. 1/23/76-पुरा.]

डा. एस. एस. नागराज राव, महानिदेशक

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th May, 1984

GSR 336(E).—Whereas, in exercise of the powers conferred under clause (b) of sub-section (1) of section 2 of the Antiquities and Art Treasures Act, 1972 (52 of 1972) read with rule 2B of the Antiquities and Art Treasures Rules, 1973, the Central Government in the Archaeological Survey of India, with a view to determining whether the author of items of jewellery mentioned in the notification No. GSR 664(E) dated the 8th November, 1982 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 8th November, 1982 (hereinafter referred to as notification dated the 8th November, 1982) is alive, notified in the said notification—

- (a) in case such author thereof is alive, he shall within a period of two months from the date of publication of the said notification in the Official Gazette communicate the fact and his address to the Director General, Archaeological Survey of India, Janpath, New Delhi-110011;

(b) read with notification No. GSR 817(E) dated the 3rd November, 1983 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 3rd November, 1983 (hereinafter referred to as notification dated the 3rd November, 1983) any person knowing such author to have been alive within thirty years shall make known within a period of two months from the date of the publication of the notification dated the 3rd November, 1983, the name of the author and the fact of the author being alive to the Director General Archaeological Survey of India, Janpath, New Delhi-110011;

And, whereas, the Gazette publishing notifications dated the 8th November, 1982 and dated the 3rd November, 1983 were made available to the public on 8th November, 1983 and 3rd November, 1983 respectively.

And whereas the Director General Archaeological survey of India, New Delhi has not received any such information about the author being alive;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 2 of the Antiquities and Art Treasures Act, 1972, the Central Government having regard to their artistic and aesthetic value hereby declares the seven items of jewellery referred to in the notification dated the 8th November, 1982 as art treasures.

[No. 1/23/76-Ant.]

DR. M. S. NAGARAJA RAO, Director General